Maharshi Dayanand University Rohtak
Yesterday at 00:36 ·

रोहतक, 21 जनवरी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। जिनका समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा। यह उद्गार हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने आज महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वराज सदन में आयोजित विशेष विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए।

एमडीयू की पं दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में- द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश विषय पर आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालातों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार ने दुनिया के सामने लाया है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है। इस मुद्दे को बड़े परिपेक्ष्य में समझने की जरूरत है, ऐसा उनका कहना था। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालयों में गहन विचार-मंथन एवं शोध कार्य पर बल देने की बात कही।

एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान ने अध्यक्षीय संबोधन में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उल्लंघन, शैक्षिक एवं आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है, और अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में वहां की सरकार को कानूनों की ईमानदारी से पालना करनी होगी और यूएन एवं मानवाधिकार संगठनों को भी इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

पं दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डॉ. विवेक बाल्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. समुंद्र ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने आभार जताया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. सीताराम व्यास, सीडीएलयू के पूर्व कुलपति प्रो. विजय कायत, चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक, प्रो. देशराज, प्रो. सुरेन्द्र कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सत्यवान बरोदा, प्रो. युद्धवीर सिंह, प्रो. नसीब सिंह गिल, प्रो. राजेश पूनिया, प्रो. संतोष नांदल, डॉ. सुदर्शन ढींगड़ा, डॉ. एचएस यादव, डा. राजेश राणा, डॉ. रवि प्रभात, डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. प्रोमिला रांगी, डॉ. निशा, डॉ. बिंदु अहलावत, डा. सज्जन दहिया, डा. मनमोहन, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

[Total Pages - 23]
(1)

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
Public Relations Office

Name of the Publication .... रोहतक भूमि (हरि भूमि) ....
Date ....22/1/25.... Page ....11.... Column....2-6....
Subject .... बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत -- --

एमडीयू में द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश विषय पर व्याख्यान में बोले प्रो. अग्निहोत्री

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत ने दुनिया के सामने लाया

पं दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के निदेशक प्रो . कुलदीप चंद अग्निहोत्री।

रोहतक। कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के प्रबुद्धजन।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ रोहतक

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। जिनका समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा। यह हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा । वे मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वराज सदन में आयोजित विशेष विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता संबोधन दे रहे थे। एमडीयू की पं दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में- द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश विषय पर आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालातों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार ने दुनिया के सामने लाया है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है। इस मुद्दे को बड़े परिपेक्ष्य में समझने की जरूरत है, ऐसा उनका कहना था। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालयों में गहन विचार-मंथन एवं शोध कार्य पर बल देने की बात कही।

पं दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डॉ. विवेक बाल्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. समुंद्र ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने आभार जताया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. सीताराम व्यास, सीडीएलयू के पूर्व कुलपति प्रो. विजय कायत, चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक, प्रो. देशराज, प्रो. सुरेन्द्र कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सत्यवान बरोदा, प्रो. युद्धवीर सिंह, प्रो. नसीब सिंह गिल, प्रो. राजेश पूनिया, प्रो. संतोष नांदल, डॉ. सुदर्शन ढींगड़ा, डॉ. एचएस यादव, डॉ. राजेश राणा, डॉ. रवि प्रभात, डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. प्रोमिला रांगी, डॉ. निशा, डॉ. बिंदु अहलावत, डा. सज्जन दहिया, डा. मनमोहन, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

बंग्लादेश में अल्पसंख्यक नहीं सुरक्षित

एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने अध्यक्षीय संबोधन में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उल्लंघन, शैक्षिक एवं आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है, और अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में वहां की सरकार को कानूनों की ईमानदारी से पालना करनी होगी और यूएन एवं मानवाधिकार संगठनों को भी इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ....रोहतक जागरण (दैनिक जागरण)....

Date ..22/1/25.. Page ..14.. Column..2-5..

Subject ....बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को दुनिया के....

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को दुनिया के सामने लाया भारत : प्रो. कुलदीप

द प्राब्लम आफ माइनारिटीज इन बांग्लादेश विषय पर एमडीयू में व्याख्यान का आयोजन

हरियाणा साहित्य अकादमी के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री का स्वागत करते प्रो. एएस मान।

एमडीयू के स्वराज सदन में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद शिक्षक व विद्यार्थी।

जागरण संवाददाता • रोहतक: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। जिनके समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा। यह उद्गार हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वराज सदन में आयोजित विशेष विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। एमडीयू की पं. दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में- द प्राब्लम आफ माइनारिटीज इन बांग्लादेश विषय पर आयोजित इस विस्तार व्याख्यान में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालातों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार ने दुनिया के सामने लाया है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है। इस मुद्दे को बड़े परिपेक्ष्य में समझने की जरूरत है, ऐसा उनका कहना था। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालयों में गहन विचार-मंथन एवं शोध कार्य पर बल देने की बात कही।

एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए.एस. मान ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उल्लंघन, शैक्षिक एवं आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है और अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में वहां की सरकार को कानूनों की ईमानदारी से पालना करनी होगी और यूएन एवं मानवाधिकार संगठनों को भी इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

पं.दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डा. विवेक बाल्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया। डा. समुंद्र ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने आभार जताया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद डा. सीताराम व्यास, सीडीएलयू के पूर्व कुलपति प्रो. विजय कायत, चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट आफ सोशल एंड इकोनामिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक, प्रो. देशराज, प्रो. सुरेन्द्र कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सत्यवान बरोदा, प्रो. युद्धवीर सिंह, प्रो. नसीब सिंह गिल, प्रो. राजेश पूनिया, प्रो. संतोष नांदल, डा. सुदर्शन ढींगड़ा, डा. एचएस यादव, डा. राजेश राणा, डा. रवि प्रभात, डा. प्रताप सिंह, डा.. प्रोमिला रांगी, डा. निशा, डा. बिंदु अहलावत, डा. सज्जन दहिया, डा. मनमोहन, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication: रोहतक केसरी (पं.के.)

Date: 22/1/25 Page: II Column: 2-5

Subject: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याओं का समाधान होना...

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं का समाधान होना चाहिए : प्रो. कुलदीप चंद

रोहतक, 21 जनवरी (मैनपाल) : बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। जिनका समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा। यह उद्गार हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वराज सदन में आयोजित विशेष विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि।

एम.डी.यू. की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में-'द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश' विषय पर आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालातों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार ने दुनिया के सामने लाया है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है। इस मुद्दे को बड़े परिपेक्ष्य में समझने की जरूरत है, ऐसा उनका कहना था। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालयों में गहन विचार-मंथन एवं शोध कार्य पर बल देने की बात कही।

एम.डी.यू. के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. ए. एस. मान ने अध्यक्षीय संबोधन में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उगंघन, शैक्षिक एवं आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है, और अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है।

उन्होंने कहा कि इस दिशा में वहां की सरकार को कानूनों की ईमानदारी से पालना करनी होगी और यू.एन. एवं मानवाधिकार संगठनों को भी इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

वहीं, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

डॉ. विवेक बाल्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. समुंद्र ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एस.एस. चाहर ने आभार जताया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. सीताराम व्यास, सी.डी.एल.यू. के पूर्व कुलपति प्रो. विजय कायत, चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक, प्रो. देशराज, प्रो. सुरेन्द्र कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सत्यवान बरोदा, प्रो. युद्धवीर सिंह, प्रो. नसीब सिंह गिल, प्रो. राजेश पूनिया, प्रो. संतोष नांदल, डॉ. सुदर्शन ढींगड़ा, डॉ. एच.एस. यादव, डा. राजेश राणा, डॉ. रवि प्रभात, डॉ. प्रताप सिंह, डॉ. प्रोमिला रांगी, डॉ. निशा, डॉ. बिंदु अहलावत, डा. सज्जन दहिया, डा. मनमोहन, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

N-201-10,000

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK
Public Relations Office

Name of the Publication रोहतक भास्कर (दैनिक भास्कर)
Date 22/1/25 Page 2 Column 3-6
Subject बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार --

एमडीयू में द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश पर विस्तार व्याख्यान

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार दुनिया के सामने लाई: प्रो. चंद

भास्कर न्यूज | रोहतक

समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा

हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। जिनका समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा।

वे मंगलवार को एमडीयू के स्वराज सदन में आयोजित द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश पर विस्तार व्याख्यान में मुख्य वक्ता बोल रहे थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त इस विस्तार व्याख्यान में उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार दुनिया के सामने लाई है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है। इस मुद्दे को बड़े परीपेक्ष्य में समझने की जरूरत है। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालयों में गहन विचार-मंथन एवं शोध कार्य पर बल देने की बात कही।

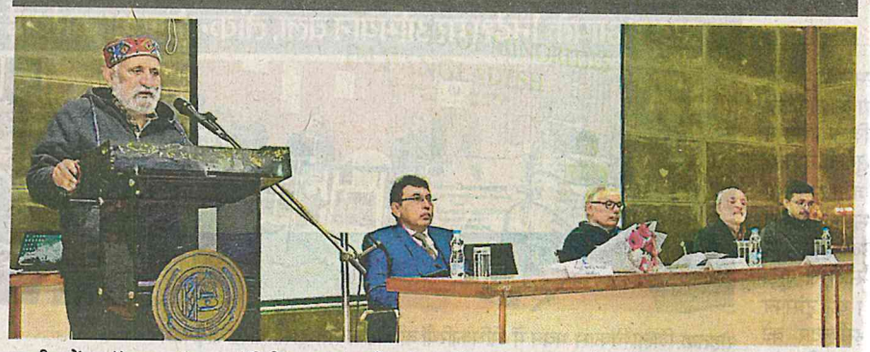

एमडीयू में द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश विषय विस्तार व्यख्यान को संबोधित करते हुए अतिथि।

अल्पसंख्यकों की स्थिति दयनीय है: प्रो. मान

एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उल्लंघन, शैक्षिक और आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है। अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में वहां की सरकार को कानूनों की ईमानदारी से पालना करनी होगी। यूएन और मानवाधिकार संगठनों को भी इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

इस मौके पर ये अधिकारी रहे मौजूद

इस अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया, डॉ. विवेक बाल्यान, डॉ. समुंद्र, हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर, डॉ. सीताराम व्यास, सीडीएलयू के पूर्व कुलपति प्रो. विजय कायत, चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक, प्रो. देशराज, प्रो. सुरेन्द्र कुमार, प्रो. राजीव कुमार, प्रो. सत्यवान बरोदा, प्रो. युद्धवीर सिंह, प्रो. नसीब सिंह गिल, प्रो. राजेश पूनिया, प्रो. संतोष नांदल, डॉ. सुदर्शन ढींगड़ा, डॉ. एचएस यादव आदि उपस्थित रहे।

N-201-10,000

(5)

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK

Public Relations Office

Name of the Publication ....अमर उजाला रोहतक....

Date ....22/1/25.... Page ....4.... Column ....3-5....

Subject ....बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात बताए....

बांग्लादेश और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात बताए

एमडीयू के स्वराज सदन में विशेष विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वराज सदन में मंगलवार को विशेष विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका विषय द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश रहा।

यह कार्यक्रम पं दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ, लोक प्रशासन विभाग व रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। साहित्य अकादमी, पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार दुनिया के सामने लाई है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है।

डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उल्लंघन, शैक्षिक एवं आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है और अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है। पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने स्वागत भाषण दिया। डॉ. विवेक बाल्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. समुंदर ने मुख्य वक्ता का परिचय दिया। हरियाणा अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. एसएस चाहर ने आभार जताया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. सीताराम व्यास, सीडीएलयू के पूर्व कुलपति प्रो. विजय कायत, चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल एंड इकोनॉमिक चेंज के निदेशक प्रो. संदीप मलिक, प्रो. देशराज व प्रो. सुरेन्द्र कुमार मौजूद रहे।

एमडीयू में विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में संबोधित करते प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री। संवाद

THE PROBLEMS OF MINORITIES
IN BANGLADESH

MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY
Rohtak-124001, Haryana (INDIA)
(A State University established under Haryana Act No. XXV of 1975)
'A+' Grade University Accredited by NAAC